भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †133

सोमवार, 1 दिसंबर, 2025/10 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

महाराष्ट्र में पारिस्थितिक पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन

†133. सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र के संरक्षित वन क्षेत्रों में पारिस्थितिक-पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं पर ध्यान दिया है;

(ख) यदि हाँ, तो राज्य वन विभाग के समन्वय से सरकार की सहायता से चल रही या प्रस्तावित पारिस्थितिक-पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कोई दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इन क्षेत्रों में पर्यटन से पारिस्थितिक संतुलन और वन्यजीव आवासों को नुकसान न पहुँचे;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) विगत पाँच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में पारिस्थितिक पर्यटन अवसंरचना के लिए स्वीकृत और उपयोग की गई निधि का जिला-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): इको-पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं, जैसे स्वदेश दर्शन, तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता, के माध्यम से देश में पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। केंद्रीय वित्तीय सहायता दिशानिर्देशों के अनुरूप एवं राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्र सरकारों से प्रस्तावों की प्राप्ति/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के अनुसार प्रदान की जा रही है। महाराष्ट्र राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

मंत्रालय पर्यटक एवं गंतव्य केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थाई एवं जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 का नया रूप दिया गया है।

मंत्रालय द्वारा तैयार की गई और राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वितरित की गई सतत पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति में पर्यावरण स्थिरता एक प्रमुख स्तंभ है। इस कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को सतत पर्यटन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया गया था।

****

अनुबंध

सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदे द्वारा महाराष्ट्र में पारिस्थितिक पर्यटन और वन्यजीव पर्यटन के संबंध में दिनांक 01.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †133 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

महाराष्ट्र राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रू. में)**
क	**स्वदेश दर्शन 1.0**	
i.	सिंधुदुर्ग तटीय परिपथ सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (तट एवं क्रीक),मितभव का विकास(मार्च 2016)	19.06
ii.	वाकी-अडासा-धापेवाड़ा-पारदसिंघा-तेलनखंडी-गिराड का विकास (मई 2018)	45.47
	कुल स्वीकृत लागत	**64.53**
ख	**स्वदेश दर्शन 2.0**	
i.	शिवसृष्टि ऐतिहासिक थीम पार्क- तृतीय चरण, पुणे (सितंबर 2025)	76.22
	कुल स्वीकृत लागत	**76.22**
ग	**चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)**	
i.	अहमदनगर किले का विकास (मार्च 2025)	25.00
	कुल स्वीकृत लागत	**25.00**
घ	**प्रशाद**	
i.	त्र्यंबकेश्वर, नासिक का विकास (जनवरी 2018, यथासंशोधित फरवरी 2025)	45.41
	कुल स्वीकृत लागत	**45.41**
ड़	**पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)**	
i.	राम-काल पथ, नासिक (नवंबर 2024)	99.14
ii.	सिंधुदुर्ग में एक्स-आईएनएस गुलदार संग्रहालय, कृत्रिम चट्टान एवं पनडुब्बी पर्यटन (नवंबर 2024)	46.91
	कुल स्वीकृत लागत	**146.05**

****